12.29 hrs.

Title: Regarding International Women's Day.

KUMARI MAMATA BANERJEE (CALCUTTA SOUTH): Thank you very much. Today is the International Women's Day. This day is being celebrated all over the world not only by the women but also by our brothers. On behalf of the Indian Parliament I would like to congratulate all the women of our country. We also convey our best wishes to all the women and the women organisations of the world family. We wish to congratulate not only our brothers but children also because without the help of our brothers...(*Interruptions*) इसमें चिल्लाने की क्या बात है।â€¦ (व्यवधान) It seems that you do not want me to consider you as my brother.

SHRI PAWAN KUMAR BANSAL (CHANDIGARH): You have not followed what I have said.

कुमारी ममता बनर्जी : हम भाइयों को कांग्रेचुलेट करते हैं कि भाइयों की मदद नहीं रहने से बहने आगे नहीं बढ़ सकती है। आपको कांग्रेचुलेट करना आज के दिन बहुत जरूरी है।

I would request the hon. Prime Minister, who has been kind enough to be present here in the House, and appeal to him that the Women's (Reservation) Bill has been pending since long. I appeal to the leaders of all the political parties represented in the House to apply any formula they may like − though we are in favour of 33 per cent reservation to be given − and pass this Bill in this Session itself so that a right message goes to the world....(*Interruptions*)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI (RAIGANJ): Let the Prime Minister bring it in any form or any shape, we are ready to pass it.

SHRI BASU DEB ACHARIA (BANKURA): Let it be brought tomorrow. We will support it....(*Interruptions*)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : Sir, we are ready to support it. Let the Prime Minister say that he is bringing it.

KUMARI MAMATA BANERJEE : We convey our best regards to all our colleagues here. We know that the Prime Minister himself convened many meetings so that a consensus could be arrived at. But till today nothing has come out. So, he is trying his best. I would urge the Prime Minister as well as all the leaders in this House to do it as early as possible.

Secondly, we want equal opportunity for the women, especially from the education point of view. Sir, the girl child education rate is deteriorating day-by-day. That is why, my appeal would be that up to higher education level, the education should be free for the girl child. Thirdly, atrocities are being committed against children and women. Even the children and women are not being spared from burning alive whenever there is violence or communal riots. I am sorry to say that they are also being burnt alive. I condemn it and I think the House would also condemn it.

Sir, I would also like to submit that the working women are being harassed in their offices. I think the Government is already in a mood to introduce a Bill in this regard. I think that Bill should be introduced.

SHRI VARKALA RADHAKRISHNAN (CHIRAYINKIL): That Bill will not serve the purpose...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Radhakrishnan, you have to seek my permission before speaking. Have you forgotten all your experience of Kerala Assembly? ...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Radhakrishnan, you were the Speaker of Kerala Assembly and you should have the minimum courtesy of getting permission from the Chair.

KUMARI MAMATA BANERJEE : Sir, let me say that I am not a feminist. I consider myself as a human being. As a human being we feel that it is our duty to help women, minorities, Scheduled Castes and Scheduled Tribes, OBCs, and also the neglected class. You have to remember that. Sir, I think that women should not be harassed. The Government must take care of it.

Lastly, I want to tell one thing to the MPs from Samajwadi Party. आपके उस एमएलए के देहान्त से हम लोगों को भी दुख है, सभी हमारे भाई हैं। मैं भी उसके लिए दुख प्रकट करती हूं, लेकिन आप कांग्रेस को भी बोले, उन्होंने आपको सपोर्ट नहीं दिया है। â€¦ (व्यवधान) आप इस तरह हाउस को डिस्टर्ब मत कीजिए, हाउस को चलने दीजिए।â€¦ (व्यवधान)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : I think you should not bother about the Congress...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Now, Shrimati Renu Kumari would speak. Today is International Women's Day. They have all given notices and I want to give them chance. ...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Bansal, you have not given a notice. ...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: What is this? All the former Speakers are trying to interrupt! ...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: I have given permission to her.

श्रीमती रेनु कुमारी : उपाध्यक्ष महोदय, आज अंतर्राट्रीय महिला दिवस है। वर्ा 2002 को महिला सशक्तिकरण वर्ा के रूप में मनाया जा रहा है। â€¦ (व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Please do not disturb. Today is the International Women's Day. They have all given notice.

श्रीमती रेनु कुमारी : महिलाओं के विकास के लिए बहुत सारे कार्यक्रम देश भर में किये गये। विकास तो हुआ नहीं, खानापूर्ति जरूर हुई है। मैं कहना चाहती हूं कि महिलाएं देश के विकास में बहुत ज्यादा योगदान देती हैं। आप किसी भी क्षेत्र को लें, महिलाएं पुरूाों से कम नहीं रही हैं। हमारे आदरणीय प्रधान मंत्री जी भी आज सदन में बैठे हुए हैं। उन्होंने भी कहा था कि हम महिलाओं को आरक्षण तथा समानता का अधिकार देंगे। बालिका समृद्धि योजना की भी घोाणा की गयी लेकिन वह योजना भी अच्छी तरह से काम नहीं कर रही है तथा बालिकाओं की पढ़ाई-लिखाई भी अच्छी तरह से नहीं हो पा रही है। महिलाएं ज्यादा तादाद में शिक्षा ग्रहण नहीं कर रही हैं, इसलिए उन पर अत्याचार बढ़ते जा रहे हैं। भ्रूण हत्याएं हो रही हैं तथा अभी गुजरात में महिलाओं को भी जलाया गया। इस पर कोई भी पुरूा सांसद यहां नहीं बोला। मैं आपके माध्यम से प्रधान मंत्री जी से यही कहना चाहती हूं कि जो महिलाओं के आरक्षण का बिल पड़ा हुआ है उसे जरूर पास कराने का प्रयास करें। अगर ऐसा नहीं होता है तो मुझे तो महिलाओं के बारे में यही कविता याद आती है कि " अबला जीवन हाय तुम्हारी यही कहानी, आंचल में है दूध और आंखों में पानी"। इसलिए मेरा तो यही कहना है कि संविधान में महिलाओं को जो अधिकार मिला है उन्हें निश्चित रूप से और सख्ती से लागू किया जाए।

श्रीमती प्रभा राव (वर्धा) : उपाध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से माननीय प्रधान मंत्री जी से यह पूछना चाहूंगी कि आदरणीय राट्रपति जी के अभिभााण में महिलाओं के लिए कुछ भी रैफरेंस नहीं है और महिलाओं के आरक्षण के बारे में जो बिल सदन में आने वाला है उसके बारे में माननीय प्रधान मंत्री जी जब बोलें तो जरूर बताएं कि वह बिल कब ला रहे हैं।

श्रीमती संध्या बौरी (विणुपुर) : माननीय उपाध्यक्ष जी, अभी जो महिला सांसद बोली हैं मैं भी उनसे सहमत हूं। माननीय प्रधान मंत्री जी सदन में बैठे हुए हैं और मैं आपके माध्यम से उनसे यह जानना चाहूंगी कि महिला आरक्षण बिल का क्या हुआ, क्योंकि इस बिल को सदन में बार-बार उठाया जाता है लेकिन वह पास नहीं होता है। महिलाओं के विकास के लिए बहुत सारे कार्यक्रम बनाये गये हैं लेकिन उन पर काम नहीं हुआ है। मेरा आग्रह है कि इस बिल के विाय में माननीय प्रधान मंत्री जी जरूर बताएं कि वह कब पास होगा। बहुत सारी पार्टियां महिला आरक्षण बिल के पक्ष में हैं। इस बिल को लाने के बाद हमें मालूम हो जाएगा कि कौन-कौन इसके विरोध में हैं, यही हम जानना चाहते हैं।

SHRIMATI SHYAMA SINGH (AURANGABAD, BIHAR): Sir, I associate myself with whatever has been said by my lady colleagues here.

श्रीमती जस कौर मीणा (सवाई माधोपुर) : उपाध्यक्ष महोदय, धन्यवाद। आज अन्तरााट्रीय महिला दिवस है। महिलाओं को आरक्षण संबंधी अधिकार देने की बात हम संसद में पिछले कई वर्ाों से दोहराते आए हैं। मैं आज आदरणीय प्रधान मंत्री जी के उस विश्वास की तरफ सदन का ध्यान आकर्ति करना चाहती हूं जिस की बात यहां बार-बार की जाती है। हम महिला आरक्षण बिल पास करना चाहते हैं लेकिन समाजवादी पार्टी के भाइयों ने स्टेज से बिल को लेकर यहां फाड़ा। मैं उनसे अनुरोध करना चाहती हूं कि वे बिल को पास कराने के लिए सर्वसम्मति बनाएं और हमारी सरकार के साथ इंसाफ करें जिससे यह बिल पास हो सके। उनके मन में दुर्भावना है। वे अपने मन की दुर्भावना को उस दिन वह बिल फाड़ कर अभिव्यक्त करना चाह रहे थे। â€¦ (व्यवधान) यदि आप सब के दिल में महिलाओं के लिए आदर और सम्मान है तो इस बिल को पास कराने के लिए सर्वसम्मति बनाएं। â€¦ (व्यवधान) मुंह में राम और बगल में छुरी लेकर आप चलना चाहते हैं और यदि महिलाओं को आरक्षण दिलाना चाहते हैं कि यह बात याद रखिए "यत्र नार्यास्तु पूज्यन्ते तत्र रमन्ते देवता" आप उस देश की संस्कृति को याद रखिए। आप महिलाओं की शक्ति को पहचान कर उन्हें सहयोग दें। यदि आप इस मामले में आगे आएंगे और सहयोग देंगे तो निःसंदेह वर्तमान सरकार इस बिल को पास कराएगी। " मोह नारी-नारी के रूपा, पन्नगारि यह रीति अनूपा" स्त्री-स्त्री के रूप से मोहित नहीं होती है। यह रीति कई सदियों से चली आ रही है। यही भावना राजनीति में भी महिला बहनों पर लागू होती है। कई महिलाएं भी नहीं चाहती कि 33 परसैंट आरक्षण हो जिस की वजह से महिला आरक्षण बिल संसद में पास नहीं हो रहा है। इस सदन में जेठानी-देवरानी जैसा व्यवहार विभिन्न राजनीतिक दलों में कार्यरत महिलाएं कर रही हैं जिस की वजह से महिला आरक्षण बिल पास नहीं हो रहा है। â€¦ (व्यवधान) मेरा आपसे अनुरोध है कि इस बिल को जल्दी से पास किया जाए। मैं उम्मीद करती हूं कि आज के दिन वर्तमान सरकार इस बिल को पास करके महिलाओं को आरक्षण देगी।

श्रीमती कान्ति सिंह (बिक्रमगंज) : उपाध्यक्ष महोदय, अन्तर्राट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, मैं इसके लिए आपको धन्य वाद देती हूं। आज देश की बहुत कम महिलाएं अपने आप को सम्मानित महसूस करती हैं। सदन में बैठी महिलाएं अपने आप को सम्मानित महसूस करती हैं लेकिन देश की आधी आबादी से भी अधिक महिलाएं आज भी उपेक्षित हैं। संविधान के तहत इससे संबंधित जितने भी नियम बनाए गए हैं जैसे दहेज प्रथा का विरोध करना और महिलाओं के साथ अत्याचार नहीं करना, मैं देखती हूं कि उन नियमों का पालन नहीं होता। समाचार पत्रों के किसी न किसी पृठ में यही देखने को मिलता है कि दहेज के कारण महिलायों को जलाया गया, उनके साथ बलात्कार किया गया। गुजरात में जो साम्प्रदायिक दंगे हुए, उनमें बहुत सी महिलाओं के अंग नट कर दिए गए। आज हम अन्तर्राट्रीय महिला दिवस मना रहे हैं। क्या ऐसे नियम दिखावे के लिए होते हैं? कोई ऐसा कठोर दंड होना चाहिए जिससे दहेज के नाम पर सभी लोग डरें। यदि सरकार महिलाओं के प्रति वाकई सचेत है और चाहती है कि महिलाओं को आरक्षण मिले तो उसे कठोर से कठोर कदम उठाने चाहिए। इस बार चार राज्यों में विधान सभा के चुनाव हुए। उनसे साफ झलकता है कि सत्ता पक्ष के लोग महिलाओं को आरक्षण देने के बारे में कितना सोचते हैं? अगर उनमें हिम्मत थी और महिलाओं को आरक्षण देना चाहते थे तो विधान सभा में टिकटों का बंटवारा करते समय क्यों नहीं अपनी पार्टी की महिलाओं को 33 परसैंट आरक्षण दिया। अब यहां साबित करना चाहते हैं कि वह महिलाओं के विरोधी नहीं हैं बल्कि पक्षधर हैं।â€¦ (व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shrimati Kanti Singh, please conclude. Do not spoil your case. All are supporting your case.

श्रीमती कान्ति सिंह : यदि आप महिलाओं को आरक्षण देना चाहते हैं तो ओबीसी और माइनॉरिटीज क्लास की महिलाओं को भी आरक्षण देने का काम करें। â€¦ (व्यवधान) समाज की दबी-कुचली महिलाओं के साथ बहुत अत्याचार होता है। उनकी तरफ आप देखें। â€¦ (व्यवधान)

DR. (SHRIMATI) BEATRIX D'SOUZA (NOMINATED): Mr. Deputy-Speaker, Sir, I associate myself with all the

sentiments expressed by the other women Members. Today is a day that we should celebrate, being women, and to celebrate the difference between men and women, not only their physical difference which is obvious but also the difference in their mental outlook. A famous feminist has said that a woman needs a man as much a fish needs a bicycle! Some people think that men are not necessary to the welfare of women. But I would say that men and women are necessary for strengthening the family unit which is the basis of society.

I would like to take this opportunity of thanking the Government for introducing two Bills, the Indian Divorce Act (Amendment) Bill and Inheritance Bill to give Christian women equality with men. But I would also like to point out that Domestic Violence Bill that is going to be introduced is quite unsatisfactory because the Domestic Violence Bill has not defined domestic violence. It gives the man a chance to say that the violence is because he is protecting himself against the woman and it does not give a woman a chance to stay in the matrimonial home. Women outside Parliament also have objected to the Bill in the present form. I would like the Government to reconsider the Bill.

श्रीमती सुशीला सरोज (मिसरिख) : उपाध्यक्ष महोदय, अभी बहन रेनू ने कहा कि "अबला जीवन, हाय तुम्हारी यही कहानी, आंचल में है दूध और आंखों में पानी" हालांकि यह कविता श्री मैथिली शरण गुप्त ने लिखी थी लेकिन आज परिस्थितियां बदल गई हैं और महिला अबला नहीं, सबला हैं क्योंकि उसे आज बहुत से अधिकार दे दिये गये हैं। महिला को अपने पिता की सम्पति में से अधिकार मिला हुआ है लेकिन फिर भी महिला की दहेज को लेकर हत्या हो रही है। आज दहेज लेना-देना दोनों मना हैं लेकिन फिर भी यह हो रहा है। महिलाओं का बलात्कार हो रहा है, उनसे छेड़-छाड़ हो रही है। सरकार ने उनकी सुरक्षा के लिये इतने कायदे-कानून बना रखे हैं लेकिन मैं सरकार से पूछना चाहती हूं कि उन कायदे-कानूनों का कितना पालन हो रहा है। आज महिलायें दर-दर भटक रही हैं। हालांकि कानून द्वारा उन्हें सहायता दी जा रही है लेकिन वे सारे कानून मोटी-मोटी किताबों में दबकर रह गये हैं।

उपाध्यक्ष महोदय, आज महिलाओं के लिये 33 प्रतिशत आरक्षण दिये जाने की बात चल रही है। हमारी पार्टी महिलाओं को आरक्षण दिये जाने की पक्षधर है लेकिन हमारी पार्टी का मानना यह है कि आज दलितों, अल्पसंख्यक और पिछड़ी महिलाओं को आरक्षण दिया जाये। डा. लोहिया ने कहा था कि जब 60 प्रतिशत आरक्षण दिया जायेगा तब दलित और अल्पसंख्यक महिलाओं को फायदा होगा। जो भाा हं महिलाओं के लिये बोलते हैं, वह भाा जब तक कलम से नहीं लिखी जायेगी तब तक देश मे सफल इन्कलाब का आगमन नहीं होगा। यह भारत माता जो गुलामी की जंजीरों में जकड़ी हुई है, वह उस दिन छूट जायेगी। डा. लोहिया ने एक प्रत्याशी महारानी के खिलाफ खड़ा किया था जो जमादारनी थी। डां. लोहिया चाहते थे कि सब को समान अधिकार मिले और वह चाहते थे कि दलितों, पिछड़ों और अल्पसंख्यक महिलाओं को आरक्षण दिया जाये।

DR. V. SAROJA (RASIPURAM): Hon. Deputy-Speaker, Sir, thank you very much for giving me this opportunity on this important day of International Women's Day. May I request the hon. Prime Minister to reach a political consensus within and outside to pass the Women Reservation Bill to bring in socio, political and economic empowerment to women at large.

श्रीमती जयश्री बैनर्जी (जबलपुर) : माननीय उपाध्यक्ष महोदय, आज अंतर्राट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सदन में सभी महिलाओं ने अपनी बात रखी, मैं उसका समर्थन करती हूं। यहां सभी माननीय सदस्य बैठे हुये हैं, मैं उनसे आग्रह करना चाहती हूं कि महिला आरक्षण विधेयक आने वाला है, आप सब लोग उसे पास कराने में सहायता करें। महिलाओं के लिये 33 प्रतिशत आरक्षण हेतु सब बहुत हल्ला करते हैं, आज आप हाथ उठा रहे हैं। अब यह बिल आने दीजिये, उस समय देखेंगे कि आप लोग कितना समर्थन देते हैं।

मेरा माननीय प्रधान मंत्री जी से आग्रह है कि वह इस बिल को लायें और जिस तरह से आज इन लोगों ने हाथ उठाकर बताया कि हम इसका समर्थन कर रहे हैं, हम उस दिन देखेंगे कि ये हाथ उठते हैं या नहीं। इसलिए ज्यादा कुछ न कहते हुए मैं इतना कहना चाहती हूं कि आज महिलाओं की जो स्थिति हैं, वैसे महिलाओं को बहुत कुछ मिला है, लेकिन उसका इम्पलीमेन्टेशन नहीं हो रहा है। इसलिए मैं आग्रह करूंगी कि आप सब लोग महिला बिल लाकर महिलाओं के विकास की दिशा में सहयोग करें। इतना कहते हुए मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देती हूं कि आपने मुझे बोलने का समय दिया।

कुंवर अखिलेश सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, प्रधान मंत्री जी सदन में बैठे हुए हैं, वह उत्तर प्रदेश के बारे में वक्तव्य दें â€¦ (व्यवधान)

श्री रामजी लाल सुमन : महोदय, उत्तर प्रदेश में राट्रपति शासन लगाया जा रहा है, उसके बारे में प्रधान मंत्री जी सदन में अपनी बात कहें â€¦ (व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Please hear me. This is too much. ...(*Interruptions*)

उपाध्यक्ष महोदय : आप प्रधान मंत्री जी को इंटरवीन करने दें।â€¦ (व्यवधान)

श्री रामजी लाल सुमन : उत्तर प्रदेश में जो राट्रपति शासन लगाया जा रहा है, प्रधान मंत्री जी उस पर वक्तव्य दें â€¦ (व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Today is the International Women's Day. All the hon. lady Members have participated in the discussion. The hon. Prime Minister wants to intervene. Do not block him....(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: For Heaven's sake, please do not interrupt him now. Please allow the hon. Prime Minister to intervene.

श्री रामजी लाल सुमन : उपाध्यक्ष महोदय, उत्तर प्रदेश की घटना के बारे में पहले प्रधान मंत्री जी सदन में बयान दें ...(व्यवधान) प्रधान मंत्री जी को इस मामले में बयान देना चाहिए। उत्तर प्रदेश में राट्रपति शासन के बारे में प्रधान मंत्री जी सदन में वक्तव्य दें।â€¦ (व्यवधान)

SHRI BASU DEB ACHARIA : We want that the Prime Minister should respond to the undemocratic and unconstitutional act of the Governor of Uttar Pradesh by not allowing the single largest party to form the Government.â€¦ (*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: I am on my legs. Will you please resume your seat ?...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Ramji Lal Suman, please resume your seat. You are the leader of your party. I am on my legs. Will you please resume your seat?...(*Interruptions*)

श्री रामजी लाल सुमन : पहले प्रधान मंत्री जी राट्रपति शासन के बारे में अपनी बात कहें।

कुंवर अखिलेश सिंह : प्रधान मंत्री जी यहां बैठे हुए हैं, वह उत्तर प्रदेश के बारे में स्थिति स्पट करें।

MR. DEPUTY-SPEAKER: Kunwar Akilesh Singh, I am on my legs. You are a senior Member. You should know, at least, this. You should allow the Presiding Officer to speak. The International Women's Day is a very important matter. Almost all the lady Members have participated in the discussion. The hon. Prime Minister wants to intervene....(*Interruptions*)

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY (CALCUTTA NORTH WEST): What is the difference between a new Member and Shri Acharia if he does like this?â€¦ (*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Sudip Bandyopadhya, will you please resume your seat? You are also violating the rules. I am on my legs. Please hear me. ...(*Interruptions*)

कुंवर अखिलेश सिंह : पहले उत्तर प्रदेश के बारे में बोलें।

MR. DEPUTY-SPEAKER: Kunwar Akilesh Singh, I have given you enough opportunity. ...(*Interruptions*)

प्रधान मंत्री (श्री अटल बिहारी वाजपेयी) : उपाध्यक्ष महोदय, अंतर्राट्रीय महिला दिवस के अवसर पर ममता जी ने और अन्य महिला सदस्यों ने जो भावनाएं व्यक्त की हैं, मैं उनके साथ अपने को सम्बद्ध करता हूं। एक महिला सदस्य ने ठीक कहा कि महिला अबला नहीं है, सबला है और अपने अधिकारों की रक्षा करने में समर्थ है। जहां तक आरक्षण का सवाल है, सभी सदस्य जानते हैं कि हम आरक्षण के पक्ष में हैं â€¦ (व्यवधान)

श्री बसुदेव आचार्य : बिल ले आओ।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : बिल लाया गया था।

उपाध्यक्ष महोदय : आप लोग सुनने की कृपा करें।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : लेकिन जो परिस्थितियां पैदा हुई, उनमें उसे पास नहीं किया जा सका। अब प्रयास यह है कि एक सर्वसम्मति बने और इसके लिए एक नई घटना हुई है। चुनाव कमीशन ने एक फार्मूला दिया है और उस पर सब राजनीतिक दल विचार कर लें। अभी दासमुंशी जी कह रहे थे कि किसी भी रूप में आये, उसका कुछ भी आकार हो, हम उसका समर्थन करने के लिए तैयार हैं। मैं समझता हूं कि एक राय बन सकती है अगर उस सुझाव को, फार्मूले को आधार बनाया जाए, और थोड़ा संशोधन करके सर्वसम्मति से यह विधेयक पास किया जाए, हम उसके लिए तैयार हैं।

श्री बसुदेव आचार्य : आप कोशिश नहीं कर रहे हैं। कोशिश कीजिए सर्वसम्मति के लिए।â€¦ (व्यवधान)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : You assured us that you would take the initiative to talk to all the political parties and bring out a formula. Why did you not implement your formula? ...(*Interruptions*)

कुंवर अखिलेश सिंह : चुनाव आयोग के फार्मूले से समाजवादी पार्टी सहमत है और हम उसके लिए तैयार हैं।

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI L.K. ADVANI): This matter was brought up when the earlier Chief Election Commissioner was there. He made a suggestion. At that time, the principal Opposition party had reservations about that. They said that the Bill, as introduced, should be passed. On that, there has been no consensus. That is all what the Prime Minister has pointed out. According to your statement today, you are willing to accept any formula. If that is the case, then, there is a possibilityâ€¦.

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : I would like to correct myself. The Prime Minister took the initiative in a meeting that he would consult all parties and come out with his own consensus formula. We wanted to know as to what happened to that. If that consensus has been arrived at by the initiative of the Prime Minister, what is the exact position? If there is any change, we do not mind. In whatever form you bring it, we would support it but there has to be reservation. We may have difference of opinion about the Chief Election Commission. Why should we make the Chief Election Commissioner a party to it? The Prime Minister should take the initiative in this regard. ...(*Interruptions*)

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : उपाध्यक्ष महोदय, मैं इस मामले पर फिर से विचार करने के लिए एक सर्वदलीय बैठक बुलाने के लिए तैयार हूँ और मुझे विश्वास है कि स र्वदलीय बैठक में एक सर्वसम्मत हल निकलेगा जिसके आधार पर महिलाओं के लिए आरक्षण किया जा सकेगा। जहाँ तक उत्तर प्रदेश का सवाल है, इस पर विस्तार से चर्चा के लिए समय मिलेगा।

उपाध्यक्ष महोदय : हम बी.ए.सी. में फिक्स करेंगे।

The Lok Sabha re-assembled at thirteen minutes

Past Fourteen of the Clock.

(Mr. Deputy-Speaker in the Chair)